

BA
1st year

राजनीतिक सिद्धांत

Political Theory (Major Subject)

अब होगी BA के साथ UPSC व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी BA के नियमित एवं प्राइवेट छात्रों हेतु उपयोगी कक्षाएं

 **LODHAJI CLASSES**

Class - 01

Based on New Education Policy

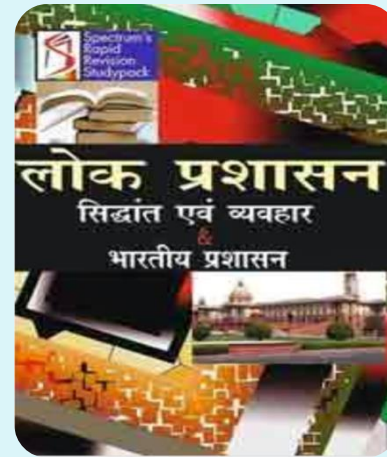
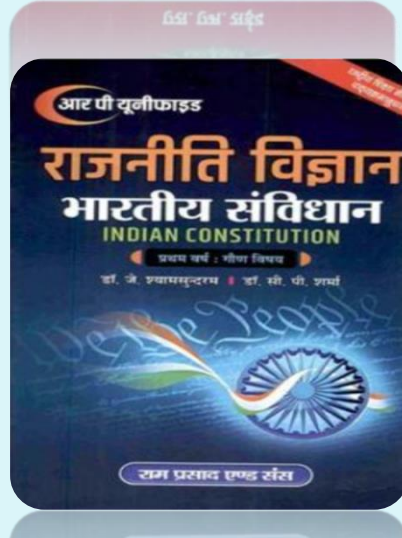
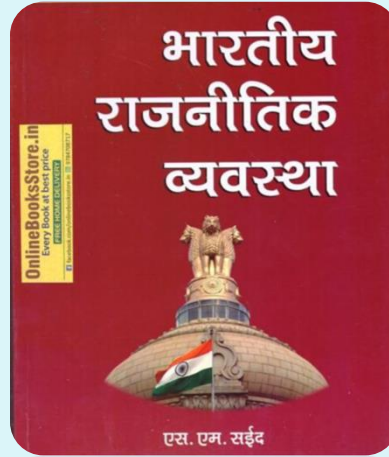
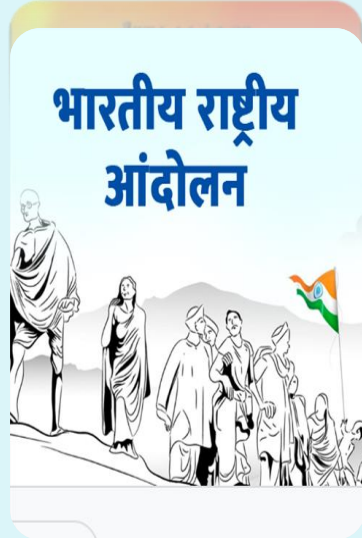
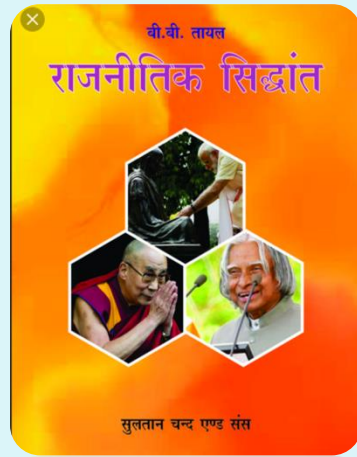
राजनीतिक सिद्धांत

अर्थ एवं महत्त्व



    **Free** Complete BA on **Youtube** With **Notes**

By Lodhaji sir





प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी करने के लिए नए YouTube चैनल “प्रज्ञान हिंदी” को Join करे

OS PLAYLISTS COMMUNITY CHANNELS Playlists

BA 1st year | राजनीतिक विज्ञान, प्रश्नपत्र -1
LODHAJI CLASSES
Updated today

Ancient Indian History | प्राचीन भारतीय इतिहास | by Lodhaji sir
LODHAJI CLASSES
4 videos

LLB - Constitutional law -2 | 2nd SEM
LODHAJI CLASSES
2 videos

BA 2nd year - राजनीतिक विज्ञान प्रश्नपत्र - 2 I
LODHAJI CLASSES
Updated 4 days ago

MCQs - 500 Que. || Indian Constitution
LODHAJI CLASSES
1 video

Last video added

BA 1st year | राजनीतिक विज्ञान, प्रश्नपत्र -1
69 16

BA 3rd year || अर्थशास्त्र || प्रश्नपत्र - 1
10 6

All Audio Series GK for E...
7 4

BA 1st year | भारतीय इतिहास
20 5

BA 2nd year - राजनीतिक विज्ञान प्रश्नपत्र - 2 I
1,036 31


Ancient Indian History | प्राचीन भारतीय इतिहास
9 4

**UPSC, PSC, Railway,
SI, Banking, SSC,
POLICE**

Unit - 1 (राजनीतिक सिद्धांत का बोध)

1. राजनीति सिद्धांत - अर्थ एवं महत्व ।
2. राजनीति के अध्ययन के दृष्टिकोण ।
3. राजनीति विज्ञान से जुड़े शब्द : राजनीति विज्ञान, राजनीतिक दर्शन, राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक विचार एवं राजनीति ।
4. विचारधाराओं का परिचय ।



- 
1. राजनीतिक सिद्धांत का अर्थ
 2. राजनीतिक सिद्धांत की विशेषताएं
 3. राजनीतिक सिद्धांत का महत्व



1. राजनीतिक सिद्धांत का अर्थ

- राजनीति सिद्धांत दो शब्दों से मिलकर बना है - राजनीति और सिद्धांत ।
- अतः यहां सिद्धांत का अर्थ समझना आवश्यक है । सिद्धांत को सभ्य मानव जाति की प्रगति का आवश्यक उपकरण माना गया है ।
- सिद्धांत शब्द अंग्रेजी के **थ्योरी (Theory)** का हिंदी रूपांतर है । जिसकी उत्पत्ति यूनानी शब्द **थ्योरिया** से हुई है । जिसका अर्थ होता है - **समझने की दृष्टि** या मानसिक दृष्टि, जो कि वस्तु के अस्तित्व एवं कारणों को प्रकट करती है । सिद्धांत का अर्थ समझने के लिए **दृष्टिकोण** को समझना आवश्यक है ।
- किसी भी घटना के अध्ययन के लिए कई दृष्टिकोण हो सकते हैं । जिस दृष्टिकोण द्वारा जिस घटना पर विचार किया जाता है, उस घटना की व्याख्या भी उसी दृष्टिकोण द्वारा की जाती है ।



1. राजनीतिक सिद्धांत का अर्थ

- दृष्टिकोण का अगला चरण **सिद्धांत** कहलाता है।
- जब दृष्टिकोण का कार्य किसी घटना की समस्या और आधार सामग्री के चुनाव से आगे निकल जाता है तब **दृष्टिकोण सिद्धांत का रूप** ले लेता है।
- किसी भी विज्ञान के नियमों की व्याख्या ही सिद्धांत है। सिद्धांत वे अनुमान हैं जो किसी भी घटना के मूल कारणों की विवेचना करते हैं। सिद्धांत का मुख्य कार्य व्याख्या करना है।
- अतः राजनीतिक सिद्धांत से अभिप्राय राजनीतिक व्यवस्था के उस सामान्य सिद्धांत से है जो उन संबंधित सभी तथ्यों, परिकल्पना आदि की व्याख्या करता है।



1. राजनीतिक सिद्धांत का अर्थ

- ✓ राजनीतिक सिद्धांत को दो भागों में विभक्त किया गया है -
 - 1. आदर्शी सिद्धांत -
 - 2. आनुभविक सिद्धांत -



2. विशेषताएं -

- प्लेटो से लेकर 20 वीं शताब्दी के मध्य तक विभिन्न राजनीतिक विद्वानों के द्वारा राजनीतिक सिद्धांत की रचना की गई। प्लेटो, अरस्तु, मिल, थामस और राबर्ट जैसे दार्शनिक राजनीतिक समाज के लक्ष्यों और उद्देश्यों से सीधा सम्बंध रखते थे।
- राज्य की राजनीतिक समाज की समस्याओं पे वाद- विवाद , विचार विमर्श होता रहता था।
अतः राज्य की इन समस्याओं का दार्शनिक समाधान होना आवश्यक हो जाता है। इसलिए ये कहा जा सकता है कि 'राजनीतिक सिद्धांत' के विकास में दर्शन (Philosophy) की प्रभावी भूमिका थी।



● राजनीतिक सिद्धांत का अवैज्ञानिक स्वरूप -

- वैज्ञानिक विधि पर्यवेक्षण या अवलोकन पर आधारित है। इसमें तथ्य एवं प्रमाणों के आधार पर जांच द्वारा निष्कर्ष निकाले जाते हैं। ये निष्कर्ष ऐसे होते हैं जिन्हें दूसरों के सम्मुख प्रस्तुत किया जा सके।
- परंतु इस दृष्टि से अधिकतर राजनीतिक सिद्धांत वैज्ञानिक नहीं हैं। राजनीतिक सिद्धांत की अवधारणाओं के अर्थ स्पष्ट एवं सुनिश्चित नहीं होते। इसके अलावा राजनीतिक सिद्धांत के निर्माण में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

➤ जैसे -

- 1. राजनीतिक सिद्धांत के निर्माण की दार्शनिक विरासत रही है और यह उस विरासत से छुटकारा नहीं पा सका है।
- 2. राजनीतिक सिद्धांतों का अनुभविक परीक्षण संभव नहीं है। उन्हें मात्र विश्लेषण योग्य सिद्धांत कहना ही उचित होगा।
- 3. अधिकांश राज सिद्धांत मूल्यपरक है।



3. राजनीतिक सिद्धांत का महत्व

1. राजनीति को वैज्ञानिक अध्ययन बनाना

2. राजनीतिक व्यवहार को समझना

3. राजनीति में स्वायत्त अनुशासन हेतु

4. सिद्धांत दिशा निर्देशक का कार्य करता है



3. राजनीतिक सिद्धांत का महत्व

1. राजनीति को वैज्ञानिक अध्ययन बनाना

- प्राचीन समय से ही राजनीति के विद्वानों का प्रयास रहा है कि राजनीतिक व्यवहार से संबंधित ज्ञान को विज्ञान का रूप किस प्रकार दिया जाए ?
- राजनीति को विज्ञान की श्रेणी में लाने के प्रयास का मूल उद्देश्य ही निरंतरता तथा सामान्यीकरणों की तलाश करके संभावित व्यवहारों का संकेत देना है।
- सिद्धांत वैज्ञानिक व्याख्या प्रस्तुत करने में सहायक होते हैं। सिद्धांत राजनीतिक विज्ञान को 'राजनीतिक व्यवहार' का एक विज्ञान विकसित करने की ओर प्रवृत्त करता है। इसके द्वारा नए क्षेत्रों की खोज, नए सामान्यीकरण, उपागम एवं सिद्धांतों की उपलब्धि होती है।



3. राजनीतिक सिद्धांत का महत्व

2. राजनीतिक व्यवहार को समझना

- राजनीतिशास्त्रियों का यह विशेष उत्तर दायित्व है कि वे राजनीतिक प्रक्रियाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण करके राजनीतिक व्यवहार के संबंध में सामान्यीकरण प्रस्तुत करें, इसके लिए राजनीतिक सिद्धांत का बड़ा महत्व है।

3. राजनीति में स्वायत्त अनुशासन हेतु

- राजनीति विज्ञान को एक स्वायत्त अनुशासन के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए राजनीतिक सिद्धांत अनिवार्य है।
- सिद्धांत पर ही इस विषय में एकीकरण, सामंजस्य एवं वैज्ञानिकता लाना तथा अन्य शोध संभावनाएं निर्भर करती हैं।
- अतः सिद्धांत के अभाव में किसी अनुशासन का विकास संभव नहीं है।



3. राजनीतिक सिद्धांत का महत्व

4. सिद्धांत दिशा निर्देशक का कार्य करता है

- सिद्धांत राजनीति में एक दिशा सूचक की तरह दिशा-निर्देश करता है। वह तथ्य संग्रह एवं शोध को प्रेरणा और दिशा प्रदान करता है।

4. निष्कर्ष

- संक्षेप में राजनीति शास्त्र में ऐसे व्यापक सिद्धांतों की तलाश की जा रही है जो संपूर्ण विश्व के राजनीतिक व्यवहार को मोटे रूप से समझने में सहायता करें।
- वैसे हर शास्त्र का अंतिम उद्देश्य सिद्धांत उत्पन्न करना है। एक अच्छे सिद्धांत से सिद्धांतीकरण को और भी अधिक गति मिल जाती है।
- विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्रों में बढ़ती हुई प्रगति को देखकर राजसिद्धांत की उपयोगिता और भी अधिक बढ़ गई है।



इस टोपिक से संबन्धित महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. राजनीतिक सिद्धांत को परिभाषित कीजिए तथा राजनीतिक सिद्धांत का महत्व बताइए ?

प्रश्न 2. राजनीतिक सिद्धांत की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?

प्रश्न 3. राजनीतिक सिद्धांत से आप क्या समझते हैं ? इसकी प्रकृति की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न 4. राजनीतिक सिद्धांत की प्रकृति एवं महत्व का विश्लेषण कीजिए ?

प्रश्न 5. राजनीतिक सिद्धांत की परिभाषा देते हुए इसका महत्व बताइए ?

Next Session will be on...

राजनिति के अध्ययन के द्रष्टिकोण





THANK YOU

New way of Learning....
<https://t.me/lodhajiclasses>



Telegram

सभी क्लास नोट्स के
pdf download
करने हेतु *join* करे



Link
LODHAJI CLASSES



प्रज्ञान हिंदी